DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
MO- 9415376545

B.A PART I (Sub./Gen.)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No..... Date..03/12/2020

लैंबार नोट्स मूल है

राज्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ
(Meaning of State and Definitions)

राज्य का अभिप्राय एक निश्चित क्षेत्र में बसे लोगों के समूह से होता है जिनकी एक सरकार होती है जो किसी बाह्य इकाई के अधीन न हो। इस प्रकार यह एक समुदाय है जिसका एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र होता है और जिसकी अपनी सत्ता होती है। राज्य एक अमूर्त इकाई है जिसे मूर्तता प्रदान करने के लिए सरकार की आवश्यकता होती है। सरकार द्वारा ही अपनी बाह्यकारी शक्ति, जिसकी अभिव्यक्ति विधियों के रूप में होती है और जिन्हें लागू करने के लिए दण्डकारी शक्ति का प्रयोग किया जाता है। इसके द्वारा समुदाय की उन समस्याओं का निराकरण किया जाता है जो व्यक्तियों के परस्पर साहचर्य में रहने के कारण पैदा होती है इस प्रकार राज्य (व्यवहार में सरकार) का यह अनिवार्य दायित्व है कि वह उन स्थितियों को विधिवत बरकरार रखे जिसमें व्यक्तियों का सामंजस्य पूर्ण अस्तित्व बरकरार रह सके। इस अर्थ में राज्य एक आवश्यक, प्राकृतिक एवं सार्वभौमिक समुदाय है क्योंकि इसकी जड़ें मानव स्वभाव में विद्यमान हैं। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जो भौतिक तथा नैतिक दोनों है, मनुष्य को राज्य की निरन्तर आवश्यकता है। राज्य रूपी व्यवस्था निर्माणकारी इकाई के अभाव में समाज अराजक बनकर रह जाएगा। मानव-शरीर के लिए जो महत्त्व भोजन का है, मनुष्य के लिए वही महत्त्व राज्य का है। राज्य इस अर्थ में एक सर्वभौमिक संस्था है कि इसका अस्तित्व तब से है जबसे कि मनुष्य संगठित जीवन व्यतीत कर रहा है।

'राज्य' शब्द का अर्थ – शाब्दिक व्युत्पत्ति की दृष्टि से 'राज्य' शब्द अंग्रेजी के 'State' शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है। जो प्रकारान्तर में इटैलियन भाषा के 'Stato' शब्द से उद्भूत है जिसका सबसे पहले प्रयोग इटली के सोलहवीं शताब्दी के राजनीतिक, दार्शनिक निकोलो मैकियावेली ने अपनी पुस्तक 'द प्रिंस' (The Prince) 1513' में किया।

प्राचीन यूनानी विचारक इसके लिए 'पोलीस' शब्द का प्रयोग करते थे। जिसका अर्थ होता है-नगर राज्य'।

रोमवासी राज्य के लिए 'पोलीस' और 'रिपब्लिका' शब्दों का प्रयोग करते थे।

PTO

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
B.A- PART-I (Sub./Gen.)
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
MO- 9415376545
LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No..... Date. 03/12/2020

'रिपब्लिका' में नागरिकता के साथ-साथ जनकल्याण का तत्व भी निहित था। गार्नर का विचार है कि 'रोमवासियों द्वारा राज्य के लिए प्रयुक्त उपर्युक्त दोनों शब्द संभवतः वही अर्थ व्यक्त करते थे जो आधुनिक काल में राज्य शब्द से लिया जाता है।' जब ईसाई धर्म, राजधर्म बना तब विद्वानों द्वारा राज्य के लिए 'रिपब्लिका क्रिश्चियाना' शब्द का प्रयोग किया जाने लगा।

मैकियावली ने इसके लिए 'Stato' शब्द का प्रयोग किया। सोलहवीं शताब्दी के फ्रांसीसी विचारक जिनबोदाँ ने राज्य के लिए 'रिपब्लिक' शब्द का प्रयोग किया। जबकि 17वीं शताब्दी के दो विचारक थामस हाब्स और जॉन लाक ने इसके लिए क्रमशः 'कामनवेल्थ' और 'कम्यूनिटी' या 'समुदाय' का प्रयोग किया। आधुनिक काल में 'राज्य' शब्द का प्रयोग ही सर्वमान्य है। यद्यपि व्यवहारवादी इसके लिए राजनीतिक व्यवस्था शब्द को प्राथमिकता देते हैं।

राज्य की परिभाषा—

अरस्तू के अनुसार – "राज्य परिवारों तथा ग्रामों का एक समूह है।"

हालैण्ड के शब्दों में – "राज्य अनेक मनुष्यों का ऐसा समूह है जिसका एक निश्चित क्षेत्र होता है, जिसमें बहुसंख्यकों अथवा एक निश्चित वर्ग की इच्छा, उनकी संख्या अथवा वर्ग के आधार पर विरोधी तत्वों की छोटी की संख्या पर प्रभावी रहती है।"

ब्लण्टशली ने कहा है कि – "किसी निश्चित प्रदेश में राजनीतिक दृष्टि से संगठित व्यक्तियों को राज्य कहा जाता है।"

विचारक हाल का कथन है कि – "एक स्वतंत्र राज्य के लक्षण ये हैं कि इसका घटक समुदाय राजनीतिक उद्देश्य के लिए स्थाई रूप से स्थापित होना चाहिए, इसका एक निश्चित क्षेत्र होना चाहिए तथा इसे बाह्य नियंत्रण से मुक्त होना चाहिए।"

(समाप्त)

Scanned with CamScanner